सरयू राय
सदस्य
झारखण्ड विधान सभा
सभापति
प्रत्यायुक्त विधान समिति

आवास :
- एफ. टाईप, आवास सं०-1, ए.जी. मोड़, डोरण्डा, राँची - 834002

मोबाईल नं. : 9431114466
ई-मेल : saryuroyoffice@gmail.com
वेबसाईट : www.saryuroy.in

पत्रांक : 638/JSR/25 दिनांक : 16/10/2025

सेवा में,
वरीय पुलिस अधीक्षक,
पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर।

विषय : दिनांक 13.10.2025 को डीसी लाउंज के साकची एवं बिष्टुपुर प्रतिष्ठानों पर हुए नियोजित हमला एवं तोड़फोड़ के दोषियों के विरूद्ध कठोर कारवाई करने तथा इस घटना में बिष्टुपुर के थाना प्रभारी की भूमिका की जाँच कर विधिसम्मत कारवाई करने के संबंध में।

महोदय,

आज दोहपर में मैं डीसी लाउंज के बिष्टुपुर और साकची स्थित प्रतिष्ठानों में गया और वहाँ तोड़फोड़ का हृदय विदारक दृश्य देखा। इनके बिष्टुपुर प्रतिष्ठान में जिस तरह की अमानवीय हरकत एक अत्याचारी समूह द्वारा की गयी है और जिस विभत्स तरीका से प्रतिष्ठान को नुकसान पहुँचाया गया है वह कल्पना से परे है। घटना स्थल से ही मैंने आपको फोन किया था और दोषियों के खिलाफ कठोर कारवाई करने का आग्रह किया था। आसपास के नागरिकों ने हमला के दिन की घटना के साथ ही इस क्षेत्र में प्रत्येक दिन घट रही दंबगई का जैसा वर्णन किया वह रोंगटे खड़ा करने वाला था। उन्होंने बताया कि इस इलाके में एक दबंग समूह सभी व्यवसायियों को धमकते रहता है, परेशान करता है, अड्डेबाजी करता है और व्यवसायियों को भयभीत करता है। यह दबंग समूह चाहता है कि यहाँ के व्यवसायी और निवासी या तो इनके चंगुल में रहे या इलाका छोड़ दें।

इसके बाद मैं डीसी लाउंज के साकची स्थित प्रतिष्ठान पर गया। वहाँ आसपास के कम से कम सौ की संख्या में नागरिक एवं व्यवसायी एकत्र हो गए और बताया कि किस तरह से बिष्टुपुर के इलाके से आकर एक दबंग और आततायी समूह ने उस दिन वहाँ उधम मचाया। उनके प्रतिरोध में साकची के नागरिक इकट्ठा हो गए, सक्रिय उनका प्रतिरोध किया तो वे वहाँ से भाग खड़ा हुए। इस क्रम में उनकी पाँच मोटरसाइकिलें वहाँ पर छूट गयी। नागरिकों ने साकची थाना को इस हमले के बार में सूचना दी और आग्रह किया कि हमलावरों की मोटरसाइकिलों को साकची थाना अपने कब्जे में लेकर आगे की कारवाई करे।

Scanned with OKEN Scanner

नागरिकों ने बताया कि इस बीच बिष्टुपुर थाना के प्रभारी अपने वाहन से वहाँ आए। उनके साथ पुलिस बल भी था, उन्होंने वहाँ एकत्रित लोगों के साथ डाँट फटकार किया, उन्हें तितर बितर किया। उनके वाहन से 7–8 व्यक्ति उतरे और वहाँ पर खड़ी मोटरसाइकिलों को स्टार्ट कर लेते गए। इसके साथ ही बिष्टुपुर थाना प्रभारी भी वहाँ से चले गए। इससे हमलावरों और बिष्टुपुर के थाना प्रभारी के बीच सांठ–गांठ उजागर होती है। साकची थाना से पूछताछ करने पर पता चला कि बिष्टुपुर थाना प्रभारी ने साकची थाना में आकर इस क्रूर हमला के दोषियों की मोटरसाइकिलें वहाँ से ले जाने के बारे में साकची थाना प्रभारी को सूचित किया था या नहीं, तो जानकारी मिली कि इस संबंध में बिष्टुपुर थाना प्रभारी ने साकची थाना प्रभारी को कोई सूचना नहीं दी थी।

स्पष्ट है कि एक क्रूर अमानवीय हमला के दोषियों की सहायता कर एवं अपने क्षेत्राधिकार का उल्लंघन कर बिष्टुपुर थाना प्रभारी ने एक घृणित अपराधिक कांड में अपनी मिलीभगत का परिचय दिया है और एक जिम्मेदार पुलिस पदाधिकारी की कर्तव्यपरायणता पर कलंक लगाया है। स्पष्ट है कि डीसी लाउंज के साकची और बिष्टुपुर में हुए हमला एवं तोड़फोड़ के लिए जितना दोषी हमलावर हैं उतना ही दोषी बिष्टुपुर थाना प्रभारी भी हैं। सहसा विश्वास नहीं होता है कि एक थाना प्रभारी ने अपने थाना क्षेत्र में तथा पड़ोस के थाना क्षेत्र में उधम मचाने वाले दोषियों के विरूद्ध कारवाई करने के बदले में उनकी पूरी सहायता किया है।

उपर्युक्त विवरण के आलोक में अनुरोध है कि आम लोगों को भयाक्रांत करने वाले दोषी हमलावरों के विरूद्ध शीघ्र कठोर कानूनी कारवाई करें तथा बिष्टुपुर के थाना प्रभारी के आचरण की जाँच कर उनके विरूद्ध भी विधिसम्मत कारवाई करें। यह स्पष्ट होना चाहिए कि किस दबाव अथवा प्रलोभन में बिष्टुपुर के थाना प्रभारी ने ऐसा शर्मनाक आचरण किया है।

सधन्यवाद,

भवदीय

सरयू राय

Scanned with OKEN Scanner